

①

॥ श्रीमगळमूर्तिचनमः ॥

॥ श्रीहरिविलयवृत्तिवंशः ॥

॥ सदाशिवः ॥



Joint Project of the
Rajawade Sanshodhan Mandal, Mumbai
Chhatrapati Shivaji Maharaj
Vastusangrahalaya, Mumbai

2

हरी
३

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ जय जय हर नंत ब्रह्म उनाय का ॥ चतुराननाची या ज नका ॥
 ॥ चवध्यासन के आवां का ॥ तुझे स्वरूप वर्ण वया ॥ १ ॥ साहित ने वे उहे ती ॥ अट
 ॥ राची खुंट ली गती ॥ चै घे तट स्थाप हती ॥ स्वरूप स्थी ती न च उवे ॥ २ ॥
 ॥ सी न न्या बहू ता ची चै स ए ॥ आट जना बहु व कट्टी ॥ अकरा ही हीं पु ट्टी ॥
 ॥ स्वरूप तुझे व जी त ॥ ३ ॥ पांचास उ ट्टी ॥ चा द सी सह ज ची जाली वा वी
 ॥ चै दा ज ना ची टे व ॥ न च ले स्वरूप वर्ण वया ॥ ४ ॥ अलि कय क बा रा दे र वं
 ॥ पा ॥ सोळा ज नी चतुर ज्ञान पा ॥ आनी क चै घ्या जे ल्या मो उण्या ॥ ५ ॥
 ॥ जो ली निया त स्ता ॥ ६ ॥ पांच विसा जाली वा व ॥ तिघा चतुरे ची ना व ॥ ७ ॥

विलास
३

॥१५

२४

॥ देहि मन्त्रे हस्ताव ॥ यद्विंशत्येविराते ॥ ७ ॥ विद्यावर्जितांसागता ॥ पांचमुख्याचा
॥ तटस्तज्जाला ॥ समुखाचा दण्डा ॥ कपाटा माली जाउनी ॥ ७ ॥ सहस्रमुखा
॥ चाचर्जिता देख ॥ तो हा जाला तळीत व्यक्त ॥ थोर थोर सपत्नी जटका ॥ यक
॥ मुखे काय वळी ॥ ८ ॥ समुतीचे बिंदु कीती ॥ हे ही यकचे लें होय गनिती ॥ ११
॥ निराळ पाइवे घती ॥ परी बुझी स्त्री तापाम्या ॥ ९ ॥ होठ उठ पृथ्वीचे वजन ॥ -
॥ गनवेळ सीधुचे जीवन ॥ अथवा वरी वृत्ति वृत्ता ॥ मोजवेळ गनीताते ॥ १० ॥
॥ अथवा हे कीती ॥ हे मोजवेळ रमापती ॥ परी तुझे गुंण निश्चिती ॥ नवने
॥ वेळो जाते ॥ ११ ॥ असो आंता पुढी सर्वा णु संधान ॥ द्वितीय अध्यासंपतां पूजे ॥

(3)

हरी
३

॥कैसे देवकीचे गर्भवधुन॥ साहायकी लेबेधुशकी॥ १॥ पाप उदक हजारेतान॥
॥गांलीलीगा इब्राह्मन॥ या बरीहीर सागरी जगती वन॥ काय करीतां जाहल॥
॥१॥ अंतास म्हेने अंनेता॥ चला अवतार घेउं वरीता॥ करु दृष्टाच्यनिःहृपाता॥
॥संतमकर कुंपे॥ १॥ ताव बोले धर जो धर॥ पुर्वी मीं जालें सै मीत्र॥ मीं न घे
॥जावतार॥ कष्टमारमोगले॥ १॥ अं सो न बोले द्विसहस्रनयन॥ अ एवंच॥
॥तिआयने उपोशने॥ निराहार शोर जरुष्य॥ तु म्हासवें सेविले॥ १॥
॥अतां आपण शी अवतारवें॥ अवतार नाटक दास्यवावे॥ गैवब्राह्मन॥ र
॥हावे साद्युजन॥ १॥ टाकुनी कपट फुठीळमाय॥ स्वामीस हां सेफो गीराव॥

विज ०
९

॥२॥

॥२॥

38

॥ बोलें कैतुकर माधव ॥ शेषाप्रतीआनं दे ॥ १५ ॥ तुमाज्ञा प्राण सखा ॥ •

॥ समरमुमिचा पाट राखा ॥ तुज विनस ह्म टिळका ॥ अवतार मीं नघेचा ॥

॥ १६ ॥ तुमाज्ञें निजागु पुर्जा ॥ तुं सखा पाशा प्राण ॥ तुज विन प्रजन येव्हना ॥

॥ नगमेची जी वलग्या ॥ १७ ॥ तुज वर पूर्व लक्ष्मण ॥ लंके सकेले कंदन ॥

॥ बहूत सेवा करुल ॥ मज तुचा सतो जेवेले ॥ १८ ॥ आता जायतुं सत्वर ॥

॥ हाय माझा वेष्ट सहोदर ॥ मी तुझा ज्ञा पाळीन साचार ॥ बळीस

॥ द्रष्टे घेतुं ॥ १९ ॥ वज्र बंधु तुं खेर्छी ॥ देवकीचे गनी जाउन राहीं ॥

॥ मी योग माये सल वळही ॥ पाटवितो तु जमागे ॥ २० ॥ कैसे वधी ले गप्तेस

(५)

हरी

विज०

॥ कळ ॥ तुजयोगमायाकणिल ॥ मगगोकुळीने उनेटेचिल ॥ रोहिनीचे
॥ निजगर्भी ॥ २३ ॥ मायाजाठलियशोदेचे उदरा ॥ मगमीजाठनिप्रथुरा
॥ पूरा ॥ देवकीच्यागर्भबोवरा ॥ हेसयजानीले ॥ २४ ॥ उपजतागोकु
॥ ळीयउन ॥ मगतुम्हीअम्हीखेळसर्घजन ॥ गेरक्षमीसोसपूजा ॥ ॥
॥ दैसतेथीलेनिर्दाळ ॥ २५ ॥ कलसामथगानमना ॥ पुढेंचाळिठाशंकरान ॥
॥ देवकीचेगर्भीयउन ॥ गर्भराखिलासातवी ॥ २६ ॥ दिवसेंदिवसगर्भवाडे ॥
॥ मंदरीपरमप्रकाशपडे ॥ जैसापळेपळसुयचडे ॥ उदयादक्षीछोउनी ॥ २७ ॥
॥ वसुदेवाप्रतीदेवकीबोले ॥ सावेळमींगर्भीजीजाळे ॥ परीनवळ्वाटलेयेवेळे ॥

॥३॥

॥३॥

५१

॥ यागर्माचें मजलागी ॥ २९ ॥ वाटे पृथ्वी उचळिले ॥ मीं आकाशाची रदे घेतले ॥ ॥
॥ सात समुद्र सोटविले ॥ नव्या मी मज वाटें ॥ ३० ॥ हति घेउन नागर मुसकु ॥
॥ मीं चमदिन वेंस देकु ॥ देय मारा वेस कु मना प्राजा वाटें ॥ ३१ ॥ वसुदेव
॥ म्हने तो ह्यणी ॥ नकळे घेचरा ची वर नी ॥ यवला तरी वांचुनी ॥ विलघं होयस वेदा ॥
॥ ३२ ॥ तों उगला सातवां मारु निद्रा आला देवकीस ॥ वसुदेव हो सावकाश ॥
॥ निद्रा न विनिमज्ज ॥ ३३ ॥ तों हरी याग प्राया ॥ तिच ब्रह्मादिकां न कळे प्राया ॥
॥ घेता मात्रे महं क्रया ॥ ब्रह्मा उहे चीर यलें ॥ ३४ ॥ ब्रह्म विष्टु सीवति न्ही ॥
॥ गकी पाळिले ति न्ही ॥ परियकने उघडुनी ॥ रूप पाहों नेदि ॥ ३५ ॥ ॥ ॥

5

हरी
३

॥ अम सुखाचा समुद्र ॥ संतपट्टले जीवसमया ॥ परीचांखों न दे अनुमात्र ॥
 ॥ गोपीतेथीठीकोनती ॥ ३५ ॥ हेचैतान्याची बुधी ॥ हेअरूपास्वरूपाचीकीर्ती ॥
 ॥ ब्रम्हाण्येपुतळेनाचती ॥ यवकीसुत्रेकनी ॥ ३७ ॥ येनेनिगुसगुनास
 ॥ जानिलें ॥ यनेअनामानाप्रजानीले ॥ यनेनिर्कराजाकारले ॥ धरविलेंअ
 ॥ वतारा ॥ ३८ ॥ हेपतीसनकळता ॥ गरीनीजालीप्रतिव्रता ॥ ब्रम्हाण्यची
 ॥ छेतयता ॥ छामंत्रेंकरनी ॥ ३९ ॥ सेजनिजडनसतारि ॥ सृष्टीघडीमोठीसमया ॥
 ॥ समाचारअनुमात्र ॥ कळोंनदेवीतीयाते ॥ ४० ॥ हेकैटाळीननिघरी ॥ नसतेचदेवउ
 ॥ के करी ॥ जीवपट्टलेअघोरी ॥ नानायोनिडिंउची ॥ ४१ ॥ ॥ ॥ ॥

विजय
९

॥ ॥

॥ ॥

(6)

हरी
३

॥ ज्ञागी ज्ञा छि रोहिनी ॥ तो साता महिन्याची गर्फीनी ॥ म्हने कैसी ज्ञा छि करनी ॥ चींता म
॥ नी चर्तता ॥ १ ॥ पुर ज्ञान सतां गर्फराहीला ॥ परमचींता ज्ञांत ते छबळा ॥ नंदयशोदे
॥ सकळा ॥ समाचार कळवोहे ॥ २ ॥ जीवी प्रो बलाचींता गरी ॥ तोंवा कशी
॥ वद छि देववानी ॥ चींता वरुं नवे रोहिनी ॥ वसुं देवाचा गर्फजसे ॥ ३ ॥
॥ चोयसयतो कोगीद्र ॥ उत्तरी लपुं चोयार ॥ छे वनाहे उतर ॥ सुरवतांतेस
॥ मस्ता ॥ ४ ॥ जो कापवाद्सर्वह ॥ नीता चाणगधुतला ॥ तो राम जन्म
॥ ला ॥ नवमास भरतांची ॥ ५ ॥ प्रकाशला सहस्वकीजे ॥ ती साबळरा
॥ मदे दिप्यमान ॥ नदे जातक वतुन ॥ बळी मद्रना मटे विलें ॥ ६ ॥ ॥

विलो

९

॥ ६ ॥

॥ ६ ॥

6A

॥ वैसे सा उपल लाखीं ॥ तो यशोदा लाली गरो दर ॥ हरीमा यने अवतार ॥ तेथे
 ॥ घेत लाते घवां ॥ यशोदा ग की न लाडी ॥ ये कपें कथा वै सी वर्तली ॥ देवकी
 ॥ पाह गा विर छी ॥ तं वग र्म ना ही पोटाता ॥ जाने वै सी लाली कर नी ॥ सांगे व
 ॥ सु देवा ला गु नी ॥ म्ह ने ग की न पं डे धर नी ॥ गो ला जी रो नि को टें वै ॥
 ॥ व सु देव म्ह जे ते वे ला ॥ कं स धो के ग म रा ला ॥ न क लें ध श्व रा ची ली ला ॥
 ॥ वै सा स क ला ला समा चार ॥ दु स सा ग ती के सा ते ॥ ग र्म ली रा ला जे थी
 ॥ चा ते थे ॥ वै स म्ह ने आ ट व्या ते ॥ ब हू ल पा स वे छी ॥ दे व की हे तां च
 ॥ ग की नि ॥ जा ग ने त्री ते ल घा रू न ॥ अ ट व्या ची अ ट व न ॥ वि स रो न कां स
 ॥ व थि ॥

७

हृश
३

॥ देवकीचा आंठबा ॥ निजघ्यासलागला ॥ गलाजीवा ॥ जनीवनीअवघा ॥
 ॥ आटं वांआटवाअटवता ॥ ६ ॥ जगृतीमुमुरीस्यप्री ॥ आटवांदिसेध्या
 ॥ नीमणी ॥ आटवांदिसेनाजनी ॥ आटवांशयनीसेजना ॥ ६ ॥ आटवांदि
 ॥ सेमुमीसी ॥ आटवादिसेआशीके ॥ आटवांनेव्यापीलेंसवसी ॥ दिवसनी
 ॥ सीआटवां ॥ ६ ॥ वैदक्यदेशीचासीमकाजा ॥ वयाचीतुंहेमजप्रजा ॥ तका
 ॥ कचाललीकमळजा ॥ नमस्कृतनी ॥ ६ ॥ जगहवंयआपना ॥ प्रवेशला
 ॥ मधुरापटना ॥ देवकीचेगर्भीयपना ॥ पूजेष्टहउवतरे ॥ ६ ॥ गर्भवासीआलासगवंता ॥
 ॥ बहूतहांसतीसाधुसंता ॥ लीलाअवतारींजगनेनाथा ॥ जन्ममृत्युसाथेचा ॥ ६ ॥

मिज०
९

॥ ६ ॥

॥ ६ ॥

५४

॥ ज्याचे कस्तुरना ॥ जन्ममृत्युजायखं पुन ॥ तो रात्रि जागती येउन ॥ वृत्ता
 ॥ ती द्विघणेना ॥ १५ ॥ क्षीरसागरी नहरिआला ॥ तशिटावकायकोसपतिता ॥
 ॥ तो तैसाच संचरला ॥ लक्ष्मीशेषासमवेता ॥ १६ ॥ अनंतरूपे अनंतनामे ॥
 ॥ अनंत अवतार अनंत कर्म ॥ अनंत लीलाचनःशामे ॥ सक्ताला गिघरयेले ॥ १७ ॥
 ॥ अनंत ब्रह्मपुं अनंत शक्ति ॥ अनंत मूर्ति ॥ अनंत कीर्ती ॥ अनंतरूपे अनंत
 ॥ मुर्ती ॥ अतर्क्य गतिवेदशीला ॥ १८ ॥ असौखी कवीचारे देख ॥ गफी
 ॥ आला लक्ष्मीनायक ॥ कंसासजगलाघाक ॥ देखिलेन सतां सविद्या ॥ १९ ॥
 ॥ देवकीआली गफीनी ॥ तेजनसमायगगनी ॥ खेदकांहीनाटवेमनी ॥ सुरवे

④

हरी
३

॥ कपून डलता ॥ ७१ ॥ वसुदेव मूने देवकी प्रति ॥ तुलसीताना टपे चीतीं ॥
॥ आटव्यांची कैसी गती ॥ लेटले ते न कळे पां ॥ ७२ ॥ कं सजपतो बहुला ॥ आटव्या
॥ चाकरावया घाता ॥ यावरी देवकी बोलता ॥ प्रतिउतर कायते व्हा ॥ ७३ ॥
॥ मुजापीपून बोले चयन ॥ कंस मारी नरपटन ॥ पुष्टीकचानुराचा प्राण ॥
॥ सनमोत्रे घेई न ॥ ७४ ॥ होकफोपे न गजथार ॥ उदरीन पृथ्वीचा फार ॥ कस्तु
॥ दैसाचा संवहर ॥ बंदिशाका फाजिल ॥ ७५ ॥ जाले वेगंधनुषधी नवो ॥ युधकरि नमो
॥ दास न ॥ जर सुंदर रथीं बांधोन ॥ सत्रवेळ जानी न पै ॥ ७६ ॥ फसत्र कस्तुन काळयकन ॥
॥ रची न द्वारका पटन ॥ सकळ नृपासी ह्या लाउन ॥ पदरानी जानी न पै ॥ ७७ ॥

विलो
९

81

गं कफो जि क्रोधे थोर ॥ जेवे मारीन सो मासुर ॥ निवटीन कै रसो वेर ॥ निजसक्त
 ॥ कै वारे ॥ ७८ ॥ मीसक्त चा सार थी हो र्जन ॥ दृष्ट सर्व सक्थरीन ॥ मीं ब्रह्म नंद
 ॥ पशु पूजे ॥ अवतर लें पृथ्वी वरी ॥ ७९ ॥ वसुदेवास चीता चाटे ॥ हे गजेयको
 ॥ ननटे ॥ जरी बाहेर मात फुटे ॥ तरी खने ये हो र्जल ॥ ८० ॥ वसुदेव बोले वच
 ॥ न ॥ देवकी आलां घरी मै न्य ॥ पशु पूजे ॥ देवकी केरी पूजे ॥ ब्रह्म नंत मीं अ
 ॥ से ॥ ८१ ॥ श्री पूर शनान पुशक ॥ साकुलं वेगळामि देस्य ॥ सकळ माया चक्र
 ॥ चाळक ॥ कत हिला मिचये ॥ ८२ ॥ सर्व दृष्ट मीं अतींद्रय ॥ मीं अ वच्य निरामय ॥
 ॥ अलीत ए पारनि फ्रीय ॥ अंनदमय वत्रे मी ॥ ८३ ॥ मीं अकृय काळाचा शास्त्र ॥

१

हरी
३

॥ श्रीं ह्यदिमाय चानिज भती ॥ श्रीं च ह्यचा परता ॥ मायानि श्रीं श्रीं चपै ॥ ८॥
॥ श्रीं च सगुन मि च नी गुन ॥ श्रीं च योर श्रीं च ल हन ॥ देव दै सानि मुन ॥ हर्षा पाळिता
॥ श्रीं चपै ॥ ९॥ ॥ अैसे देव की बो लेना ॥ मागु ती घरी मै न्य ॥ तो आकाशी देव पूर ॥
॥ गजर करी ती दुं द फी च ॥ १०॥ ॥ अवतर ल आतां म गवंता ॥ करील दृष्टान्य नि पाता ॥
॥ देव मिळो नी सम स्ता ॥ गुप्त मथुं र त उ व र ले ॥ ११॥ ॥ ब्रह्म दि क ठ र ॥ खं दि शा ले ॥
॥ आठे समय ॥ देव की स प्र द वा णा करी ता सुर वर ॥ य क न म स्फार घाल ती ॥ १२॥
॥ उमे य पु न व द्वा जुळी ॥ गर्भ स्तु त अ रं सी ली ॥ जय जय ची दानं द व न माळी ॥ देव की

ध्रुव
१

१५

१५

१५

॥ गणेशगवत ॥ ॐ ॥ हरीनारायणगोपीदा ॥ इंदरावराजानंदकंदा ॥ सर्वेशामुकुंदा
॥ परमानंदा ॥ परमपूरश्चापरश्चा ॥ ॐ ॥ जयजयजनकापूरतना ॥ पंकजनेत्रपरम
॥ पावना ॥ पद्याक्षवलुसापक्षुपतिजिवना ॥ पद्माब्धीचासापरेशा ॥ ॐ ॥ पतित
॥ पावनापंकजधारका ॥ कमनियरुपानिष्कंका ॥ कमळरुपाकमळनायका ॥
॥ कल्पक्षमोचनाकमेठहा ॥ ॐ ॥ कर्मोचकाकर्मवतारका ॥ कैवल्यनिधीकैष्ण
॥ मलका ॥ वरुनाकराकामविदिना ॥ कुरुवनाशनाकळामा ॥ ॐ ॥ आदिकेशवावि
॥ स्ववकुसेना ॥ कैवल्यनिधीजनतनयना ॥ जनतापाणीजनताचरना ॥ अनंत
॥ कल्याणनमोस्तुते ॥ ॐ ॥ अत्ययत्नरुपाअपरंमपरा ॥ जगुनंअगोचरा ॥

10

हरी
३

१०॥ अनामा अ संग अक्षरा ॥ आदिका रना अ मरुपा ॥ १०॥ अमनुशा या अवी वाचे
 ११॥ दना ॥ आदि त पा अन त सदना ॥ असे वा अ व वा अ म ल पू णा ॥ आदि मुळी अ
 १२॥ वेत्ता ॥ १०॥ अैसी सुधी करु न जाना देव पा व ले अ त धी ने ॥ अनंद न माय
 १३॥ गगना ॥ सुरव जा ले स व सी ॥ १०॥ अ सा रा त्र दि व सा ॥ अ ग ल अ ट व्या च्या
 १४॥ ध्या स ॥ आ ट प्र ह र त या स ॥ अ व वा अ ट यां दि स त से ॥ १०॥ अ प न य
 १५॥ अन कं स सुर ॥ अ सा रा हि अ दे व की स मो र ॥ त व ते अनं द रू प सा चार ॥ ची ता अ
 १६॥ अनु मा त्र अ से ना ॥ १०॥ ना सा ग्री टे उन दृ षी ॥ कृ ष रू प पा हें सु षी ॥ १०॥

विज०
१

१०॥

१०॥

(108)

कृष्णदिसेपाठीपोठी॥बोलतांहेठींकृष्णचिये॥१००॥कृष्णरूप
बासनवसन॥कृष्णरूपजंनपान॥कृष्णरूपसदन॥शुषणस
र्वकृष्णरूप॥१०१॥पृथ्वीमापतेजवयोनिमाक॥कृष्णरूप
दिसेसकक॥स्थावरजंगमनिर्मेक॥घननीकरूपदिसतसे॥१०२॥
पुटेउभाकंसदेख॥परीनिरीयदवकासुरेख॥महेकापुटेमत्र्य
क॥तैसाकंसभासतसे॥१०३॥ईशपुटेजेसारंक॥कीज्ञानियांपु
टेमूर्ख॥कीकेक्रीपुटेजंबुक॥कीसूर्यापुटेखद्योतये॥१०४॥कीं

(11)

हरी

॥१०॥

जग्नीपुटेपतंग ॥ कींगरुणसमोर उरग ॥ कीं हंसापुटे जैसाका
 ग ॥ तैसाखक उभातेये ॥ १०५ ॥ कीं नामांपुटे पापदेख ॥ कीं वे हा
 पुटे चारवाक ॥ कीं क्रांकापुटे मद्रक ॥ मीनकेतन उभाजेवीं ॥
 ॥१११॥ पंछीतापुटे जजापाक ॥ कीं श्रोवियापुटे हांसक ॥ कीं वासु
 कीपुटे मुद्रक ॥ तैसाकंसदिसतस ॥ १०५ ॥ जग्नीपुटे जैसेतृपा ॥ कीं
 ज्ञानांपुटे जज्ञान ॥ कीं महावंतासिजावडेपूर्णा ॥ जकदजांपातैसां ॥
 ॥११३॥ जैसाकंसदेवकीपुटे ॥ तीसियाहाकं निपोह निवाडे ॥ तंव

विज०

॥१०॥



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com